नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

समुद्री शक्ति का नया भारतीय अध्याय

रविवार का दिन भारतीय नौसेना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया. कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक साथ तीन स्वदेशी युद्धपोतों,आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया. यह केवल नए जहाजों का शामिल होना नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता और रणनीतिक दूर दृष्टि का सशक्त प्रदर्शन भी है.

पिछले एक दशक में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है. युद्धपोतों, मिसाइलों, रडार प्रणालियों और अन्य सैन्य उपकरणों के स्वदेशी निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है. गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित इन तीनों जहाजों में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों का उपयोग इस बात का प्रमाण है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. आईएनएस दूनागिरी का नौसेना में शामिल होना विशेष महत्व रखता है. प्रोजेक्ट 17 ए के तहत निर्मित यह अत्याधुनिक स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट भारतीय नौसेना की आक्रामक और रक्षात्मक दोनों क्षमताओं को मजबूत करेगा. ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और एमआरएसएएम जैसी उन्नत प्रणालियों से लैस यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को और प्रभावी बनाएगा. ऐसे समय में जब हिंद महासागर वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता जा रहा है, दूनागिरी जैसे प्लेटफॉर्म भारत को निर्णायक बढ़त प्रदान करेंगे.

दूसरी ओर, आईएनएस संशोधक युद्धक्षेत्र के पीछे काम करने वाला ऐसा महत्वपूर्ण साधन है जिसकी भूमिका अक्सर चर्चा में नहीं आती, लेकिन उसकी उपयोगिता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. समुद्री सर्वेक्षण, हाइड्रोग्राफिक डेटा संग्रह और सुरक्षित नौवहन मार्गों की पहचान किसी भी नौसैनिक अभियान की सफलता की आधारशिला होती है. आधुनिक अंडरवाटर ड्रोन से लैस यह जहाज समुद्र की गहराइयों में छिपी चुनौतियों और अवसरों की पहचान कर नौसेना को बहुमूल्य जानकारी उपलब्ध कराएगा.

आईएनएस अग्रय का महत्व भी कम नहीं है. हिंद महासागर क्षेत्र में पनडुब्बियों की बढ़ती गतिविधियों के बीच एंटी-सबमरीन युद्ध क्षमता किसी भी आधुनिक नौसेना की आवश्यकता बन चुकी है. उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए तैयार यह युद्धपोत भारत की तटीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा. इसकी कम ध्वनि वाली वॉटरजेट तकनीक इसे और अधिक प्रभावी बनाती है. भारतीय नौसेना द्वारा वर्ष 2026 में 19 नए युद्धपोतों को शामिल करने का लक्ष्य यह संकेत देता है कि भारत अपनी समुद्री रणनीति को नए स्तर पर ले जा रहा है. वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से संचालित होता है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्री रास्तों पर निर्भर है. ऐसे में एक मजबूत और आधुनिक नौसेना केवल सैन्य आवश्यकता नहीं, बल्कि आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्य शर्त है.

इन तीन युद्धपोतों का नौसेना में शामिल होना स्पष्ट संदेश देता है कि भारत अब समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है. आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक तैयारी का यह संगम आने वाले वर्षों में भारत को हिंद महासागर क्षेत्र की एक निर्णायक समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

ग्राम स्वराज से डिजिटल स्वराज तक

प्रो. हिमांशु राय, निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर

> जैसे-जैसे देश विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है, राष्ट्रीय प्रगति की जड़ें हमारी ग्राम सभाओं, पंचायत कार्यालयों और जिला संस्थाओं में और गहरी होकर सुदृढ़ होती जाएंगी. ऐतिहासिक रूप से पंचायती राज की यात्रा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संकल्प से शुरू हुई थी, परंतु आने वाला अध्याय अब डिजिटल विकेंद्रीकरण से परिभाषित होगा. यदि ग्राम स्वराज पिछले युग की आकांक्षा था, तो डिजिटल स्वराज वर्तमान युग का निर्णायक शासन प्रतिमान बन सकता है, एक ऐसा प्रतिमान, जिसमें सशक्त स्थानीय संस्थाएं प्रौद्योगिकी, आंकड़ों और नागरिक सहभागिता का उपयोग करते हुए बेहतर परिणाम देंगी, और कदम दर कदम भारत 2047 के स्वप्न, अर्थात एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत, की ओर अग्रसर होंगी.

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को सुदृढ़ करने वाले अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों में 73वां संविधान संशोधन एक विशेष स्थान रखता है, जिसने पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम सभाओं को संवैधानिक सत्ता और गरिमा प्रदान की. यह घटना भले ही तीन दशक पुरानी हो, परंतु आरंभिक वर्षों में स्थानीय स्वशासन सीमित आंकड़ों, कमजोर निगरानी तंत्र और असमान प्रशासनिक क्षमताओं जैसी चुनौतियों से जूझता रहा. समय के साथ इस स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है, और आज ग्रामीण भारत की तस्वीर पहले से कहीं अधिक सशक्त है. देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 90 करोड़ से अधिक नागरिकों के निवास के साथ, गांव अब भारत सरकार के लिए नवाचार का प्रथम पड़ाव बनते जा रहे हैं.

इसी दिशा में सरकार की एक उल्लेखनीय पहल है राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, जो डिजिटल शासन को बढ़ावा देता है. इस वर्ष पुरस्कृत हुई सत्रह पहलों में से चार का संबंध पंचायती राज संस्थाओं से है, जिनमें तीन स्वर्ण पुरस्कार और एक रजत पुरस्कार शामिल हैं. यह इस बात का भी प्रमाण है कि जैसे-जैसे भारत आत्मनिर्भर और विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है, डिजिटल इंडिया का सपना भी साकार होता जा रहा है, और डिजिटल शासन अब केवल शहरों तक सीमित परिघटना नहीं रहा. डिजिटलीकरण पर आधारित सरकारी पहलों ने भारत के गांवों के योजना निर्माण, सेवा वितरण, संसाधन प्रबंधन और नागरिक सहभागिता के तौर-तरीकों को नए सिरे से गढ़ना शुरू कर दिया है.

इन्हीं पहलों में से एक, जिसने ग्राम स्तरीय शासन के मूल्यांकन को संभव बनाकर गहरा प्रभाव छोड़ा है, वह है एक साझा राष्ट्रीय ढांचा, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स. इस पहल को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. ढाई लाख से अधिक ग्राम पंचायतों वाले इस देश में, स्थानीय शासन को बड़े पैमाने पर सुदृढ़ करने के लिए परिणामों को मापने, प्रगति का आकलन करने और सुधार के क्षेत्रों को चिह्नित करने हेतु एक सशक्त ढांचे की आवश्यकता है. पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों के नौ विषयों से जुड़े सभी संकेतकों पर पंचायतों का मूल्यांकन करके इस आवश्यकता की पूर्ति करता है. इससे साक्ष्य-आधारित नियोजन, लक्षित हस्तक्षेप, पारदर्शी मानदंड निर्धारण और बढ़ी हुई जवाबदेही संभव हो पाती है. एक तरह से देखा जाए तो पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स आंकड़ों के लोकतंत्रीकरण का ही प्रतिबिंब है, जो प्रशासकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और आम नागरिकों, सभी के हाथों में प्रदर्शन संबंधी जानकारी सौंप देता है. इसके साथ ही यह विकसित भारत के स्वप्न को भी बल देता है, क्योंकि एक विकसित राष्ट्र बनने की भारत की आकांक्षा केवल शहरों की वृद्धि पर निर्भर नहीं रह सकती. यह वृद्धि मापने योग्य, समावेशी और स्थानीय स्तर पर संचालित होनी चाहिए, और इसलिए इसकी शुरुआत भारत की जड़ों, अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों, से ही होनी चाहिए. स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, अवसंरचना और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में कमियों को पहचानने में पंचायतों की मदद करके, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स राष्ट्रीय आकांक्षाओं को क्रियान्वयन योग्य स्थानीय कार्यसूची में बदल देता है.

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स के अतिरिक्त, पुरस्कार पाने वाली अन्य दो ग्राम पंचायतें, महाराष्ट्र की कडेपुर ग्राम पंचायत और त्रिपुरा की बिजयनगर ग्राम पंचायत, भी इस दृष्टिकोण को व्यवहार में बदलते हुए दिखाई देती हैं. महाराष्ट्र की कडेपुर ग्राम पंचायत ने एक ऐसा शासन तंत्र विकसित किया है, जो कागजरहित प्रशासन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित अनुप्रयोगों, ब्लॉकचेन समर्थित अभिलेख प्रबंधन तथा जीआईएस आधारित संपत्ति मानचित्रण के माध्यम से 4,300 से अधिक लाभार्थियों को 1,355 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है. इसी प्रकार, बिजयनगर ग्राम पंचायत के पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स स्कोर में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, स्वयं के स्रोतों से प्राप्त राजस्व में लगभग 194 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, और अब 100 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही हैं, यह सब महिलाओं में सार्वभौमिक डिजिटल साक्षरता और प्रौद्योगिकी को अपनाने के बल पर संभव हो सका है.

क्या तमिलनाडु मानेगा त्रिभाषा फॉर्मूला

क्या केंद्र तमिलनाडु को इस नीति के पालन के लिए बाध्य कर पाएगा? 2 भारतीय भाषाएं सिखाने के लिए अंग्रेजी को विदेशी भाषा की श्रेणी में डाल दिया गया. अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म करने का अंजाम यूपी व मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के विद्यार्थी भुगत रहे हैं.

देश की सभी सीबीएसई स्कूलों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने की केंद्र सरकार की योजना में हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए एक एनजीओ ने याचिका दाखिल की थी जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम स्थगनादेश देने से इनकार कर दिया. अपने 18 जून के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी अंतरिम राहत का सवाल ही नहीं उठता. साथ ही अदालत ने ऐसी सारी बकाया याचिकाएं इस याचिका के साथ संलग्न करने का आदेश दिया. इसके पूर्व 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं की समीक्षा करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार, सीबीएसई तथा एनसीईआरटी को नोटिस जारी कर जुलाई मध्य तक उनकी तैयारी से संबंधित व्यापक विवरण मांगा था. इसमें टेक्स्ट बुक की उपलब्धता, आधारभूत ढांचा तथा प्रशिक्षित भाषा शिक्षकों की जानकारी देने के लिए कहा गया था. सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थगनादेश नहीं दिए जाने से सीबीएसई 1 जुलाई से कानूनी तौर पर अपने त्रिभाषा फार्मूले पर आगे बढ़ सकता है. शैक्षणिक वर्ष प्रारंभ होने के लगभग एक पखवाड़े बाद इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट अपना निर्णय देगा. आखिर त्रिभाषा फार्मूले को लेकर इतनी चिंता क्यों व्याप्त है? इसमें कहा गया है किकक्षा 6 से विद्यार्थियों को 2 भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी जिसमें अंग्रेजी का समावेश नहीं है. तमिलनाडु ने त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी लादने वाला कहकर इसका विरोध किया है. वहां अंग्रेजी और तमिल पढ़ाई जाती हैं. ऐसे छात्र के लिए भी दिक्कत जाएगी जो हिंदी व अंग्रेजी के साथ फ्रेंच या जर्मन भाषा पढ़ रहा है क्योंकि उसे 2 भारतीय भाषाएं सीखनी होंगी. इस तरह उसे संस्कृत या कोई अन्य भाषा एक वर्ष में सीखनी होगी. देश में भाषाओं की विविधता रहने से केंद्र सरकार को अपनी भाषा नीति पर गहराई से विचार करना चाहिए था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

मालवा- निमाड़ की डायरी

सकलेचा हुए अधीर, जीतू ने चलाया तीर

संजय व्यास

एक जनप्रतिनिधि के सामने कई तरह की परिस्थितियां आती हैं, कभी घटना सम्मानजनक होती है तो कभी अप्रिय. विषम स्थिति में धैर्य बनाए रखना ही सफल राजनीतिज्ञ की पहचान होती है. हाल के महिनों में कुछ ऐसी ही घटनाएं सामने आईं, जिसमें राजनेता आपे से बाहर हो गए. इन मामलों ने तूल भी पकड़ा, छवि नकारात्मक अलग बनी. नया मामला जावद विधायक, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा से जुड़ा है. जावद विधानसभा क्षेत्र के बांगरेड़ गांव की जिला मुख्यालय से जोडने वाली सडक़ अब तक नहीं बनी है.

ग्रामीणों द्वारा बार-बार मांग किए जाने पर विधायक ने इस सडक़ को बनवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन रविवार को जब विधायक सकलेचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने बांगरेड़ गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उनका विरोध कर दिया. कथित तौर पर काफी कहासुनी हुई और धैर्य खो बैठे सकलेचा कार्यक्रम छोड़ वहां से चलते बने. अब उस समय का ओमप्रकाश सकलेचा का एक बयान चर्चा में है. ग्रामीणों के स्वास्थ्य केंद्र के भूमि पूजन से पहले चार साल से लंबित सडक़ निर्माण के अधूरे वादे को पूरा करने की बात उठाई गई, जिस पर विधायक के जवाब वोट देना है तो दो... को लेकर विवाद खड़ा हो गया. मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. यह मुद्दा पकडने में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी देर नहीं की. उन्होंने इस पर प्रदेशवासियों से अपील कर डाली कि यह वीडियो भले ही नीमच का हो, लेकिन ऐसा ही अहंकार मप्र के हर भाजपाई में भरा है. सत्ता की इस ठसक को ठिकाने लगाना जरूरी है.

किसानों की बेचैनी बढ़ी

मानसून की हर दिन बढ़ती प्रतीक्षा अंचल के किसानों की बेचैनी बढ़ा रही है. खरीफ सीजन की बोवनी मानसून पर निर्भर है. जून समाप्त होने आया और बारिश नहीं होने से भूमि जोत कर बैठे किसान सोयाबीन, मूंग, उड़द और तुअर जैसी फसलों की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सुरक्षित बोवनी के लिए कम से कम चार इंच बारिश आवश्यक है ताकि मिट्टी में पर्याप्त नमी बन सके. कई हिस्सों में किसानों ने समय पर मानसून आने की उम्मीद में पहले ही बोवनी कर दी थी. अब बारिश नहीं होने से बीज खराब होने का खतरा बढ़ गया है. उधर सिंचाई की व्यवस्था वाले इलाके के किसान भी परेशान हैं. खरगोन जिले में मानसून की देरी और जल स्रोतों के सूख जाने से किसानों के सामने सिंचाई और पशुओं के लिए पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है.

अंतत : सैलाना भाजपा में मतभेदों पर लगा विराम

आखिर सैलाना नगर भाजपा कार्यकर्ताओं का मिलन समारोह आपसी मतभेदों को दूर करने में कामयाब रहा. लंबे समय बाद भाजपा की दो वरिष्ठ नेताओं पूर्व विधायक संगीता चारेल और भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष क्रांति जोशी ने एक मंच साझा कर कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश दिया. विगत कई वर्षों से सैलाना विधानसभा और नगर भाजपा में मतभेदों की चर्चाएं होती रही थीं. मंच पर आमने-सामने आने पर दोनों नेताओं का मन पिघल गया. कार्यक्रम में क्रांति जोशी ने कहा कि भाजपा में राष्ट्र सर्वोपरि है और कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं. आगामी चुनावों में सभी कार्यकर्ता मिलकर पार्टी को मजबूत करेंगे. वहीं संगीता चारेल ने कहा कि वह कभी ऐसा कार्य नहीं करेंगी जिससे पार्टी या उनकी छवि को नुकसान पहुंच. भाजपा कार्यकर्ता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी हैं और जनहित के मुद्दों पर वह सदैव कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेंगी. इस दौरान संगीता चारेल और क्रांति जोशी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर तथा पुष्पमाला पहनाकर आपसी मतभेदों की चर्चाओं पर पूर्ण विराम लगाने का संदेश दिया. उल्लेखनीय है कि गत विधान सभा चुनाव में संगीता चारेल को कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग न मिलने के कारण भारतीय आदिवासी पार्टी प्रत्याशी कमलेश्वर डोडियार के सामने हार का सामना करना पड़ा था. उसके बाद से क्रांति जोशी से उनका मनमुटाव चल रहा था.

निशानेबाज

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट अंतकाल पछताएगा, प्राण जाएंगे छूट

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमारे देश के प्रसिद्ध प्राचीन मंदिरों को विदेशी आक्रमणकारी लुटेरों ने बार-बार लूटा. उनकी लालची नजरें मंदिरों के बहुमूल्य खजाने पर थी जिसमें सोना-चांदी और हीरा-मोती-माणिक जैसे रत्नों का भंडार भरा रहता था.'

हमने कहा, 'अब विदेशी लुटेरों की कहानी भूल जाइए. अपने स्वदेशी लुटेरे क्या कम हैं! अयोध्या के भव्य राममंदिर में भक्तों ने भंडार भरा और वहां का प्रबंध संभालने वाले कर्ताधर्ताओं ने उससे अपना घर और जेब भर ली. इधर आंख झपकाई और उधर माल यारों का! चोरों ने चतुराई से सोचा कि भगवान को धन की क्या जरूरत है! जब राम, सीता, लक्ष्मण 14 वर्ष के लिए वनवास गए थे तो उनके पास कैश, चेक, ड्राफ्ट, क्रेडिट कार्ड कुछ भी नहीं था. टिफिन या राशन पानी तक नहीं ले गए. कंद-मूल-फल खाकर तपस्वी जीवन बिताया.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, अयोध्या में रामलला का मंदिर है जिसमें वह बालक के रूप में विराजमान हैं. बालक को धन से क्या प्रयोजन! अयोध्या में इतना धन और महल का सुख था, लेकिन राम-लक्ष्मण बचपन से वशिष्ठ मुनि के आश्रम में भेज दिए गए जहां कठोर और सादगीपूर्ण दिनचर्या थी. वहां से अयोध्या लौटे ही थे कि विश्वामित्र उन्हें अपने साथ यज्ञ की रक्षा करने और मारीच-सुबाहू को मारने ले गए. विवाह के बाद चैन से रह पाने का अवसर भी नहीं मिल पाया कि कैकेयी ने वनवास भेज दिया. मंदिर से नकद रकम और सोना चांदी के आभूषण पर हाथ साफ करने वाले कर्मचारियों और धर्म को धंधा बनाने वाले उनके आकाओं ने समझ लिया कि रामलला को धन की क्या आवश्यकता! भगवान में मन लगाने की बजाय चढ़ावे के धन पर निगाह रखी. जीवन की यात्रा अर्थ से शुरू होती है फिर धर्म, काम और मोक्ष की बारी आती है. अर्थशास्त्र यही कहता है- राम नाम जपना, पराया माल अपना! मंदिर निर्माण के लिए देश-विदेश से चंदा जमा किया. देशवासियों का सहभाग दिखाने के लिए 'राम शिला' के नाम से ईंटें मंगवाई गईं लेकिन मंदिर पत्थर से बनवाया गया. मंदिर परिसर के विस्तार और भव्यता के लिए औने-पौने दाम पर जमीन अधिग्रहण किया गया और फिर करोड़ों में जमीन बेच दी गई. निर्माण घोटाले में जमकर कमीशनखोरी की गई. राम के नाम पर की गई धांधली की न तो आरएसएस निंदा कर रहा है न बीजेपी के महान नेता. छुटभैये चोर फंस जाएंगे और बड़े देखते ही देखते चंपत हो जाएंगे! एसआईटी की जांच पूरी होने के पहले ही मंदिर निर्माण समिति के प्रमुख उपेंद्र मिश्रा ने ट्रस्ट के सचिव चंपत राय को क्लीन चिट दे दी.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12297 - डॉ. सागर खादीवाला

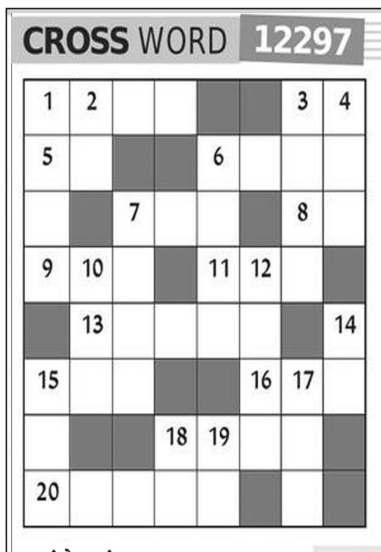

3.आकाश 4. किसी वस्तु का ऊपरी भाग या तल 6. भारत के उत्तर का संसार प्रसिद्ध पर्वत 7. प्रसिद्ध 10. मोर, नर्तक (सं.) 12. नीच, सदा लात खाने वाला 14. दुर्ग, गढ़, कोट 15. बारी, पारी, दशा, संयोग, मंगलसूचक शहनाई जो देवालय या विवाह आदि में बजाते हैं (उर्दू) 17. एक तरह की खुजली, छोटी माता 18. जलचर, जलीय, हलका नीला 19. इच्छा, इरादा, विचार

बाएं से दाएं
1. पैगंबर (सं.) 3. आशा, सहारा, भरोसे से 5. छीनने या हरण करने वाला, प्रत्येक 6. किसी व्यक्ति पर रखा जाने वाला पहरा, हवालात 7. गौरव, महत्व, प्रभाव 8. महीना 9. खोज 11. प्यारा बालक, लड़का 13. सुभीता 15. काम धंधे या टहल के लिए वेतन पर रखा हुआ आदमी 16. पोला 18. पके आम का रस 20. तमाशा देखने वाला

ऊपर से नीचे
1. देहांत, मृत्यु 2. देवता आदि से मिला हुआ मनोरथ का फल या सिद्धि

Solution 12296

अ	नु	सा	र	■	अ	स	र
स्त	■	म	ज	रा	ज	■	स
ब	टो	र	ना	■	न	जा	रा
ल	ट	■	■	न	बी	■	ज
■	का	य	ना	त	■	मू	■
मु	■	क्षा	■	म	ह	क	ना
आ	शु	■	उ	स्त	रा	■	का
■	भ	या	न	क	■	व्यो	म

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, पद का लाभ प्राप्त होगा, व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, धार्मिक कार्यो कें संलग्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, मित्र के कारण कार्य में व्यवधान आ सकता है, व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ प्राप्त होगा, सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, कर्क्र राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियो को कार्यों में व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शालीनता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर तथा परिश्रमी होगा. आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे. संगीत कला और धार्मिक कार्यो में इनकी अच्छी रूचि रहेगी. माता पिता को हमेशा सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

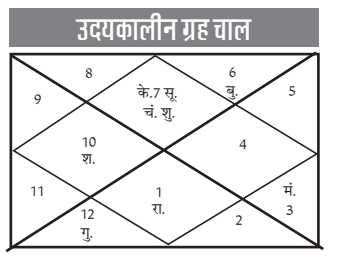

पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल नवमीं भौमवासरे रात 7/30, हस्त नक्षत्रे दिन 3/26, वरीयान योगे दिन 2/13, बालव करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार कन्या रातअंत 4/3 से तुला, शु.रा. 6, 8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल नवमीं को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, गुड़ खांड, शक्कर, लालमिर्च, आदि में तेजी का रूख रहेगा. नये वस्तुओं में पिछली चाल चलेगी. आज जिन वस्तुओं में तेजी का रूख रहे, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 1776 है.

मेष- कार्य योजना व नजरिये में बदलाव करके अच्छी सफलता मिलेगी. जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा. ऐसा कोई कार्य बनेगा. जिससे आपको संतोष प्राप्त होगा.

वृषभ- सेहत पर ध्यान दें, आय के नए साधन मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यवसायिक दायित्वों की पूर्ति होगी. पारिवारिक कार्यों में लगन व निष्ठा रहेगी.

मिथुन- लंबित मामले सुलझने के आसार हैं. योजनाओं के आकार देने में सफलता मिलेगी. स्वयं की सूझबूझ से लिये गये निर्णय सार्थक होंगे. अतिथि वृषभमन का योग है.

कर्क- प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा. विरोधियों से बचकर रहें. काई मांगलिक कार्य संपन्न होगा. पारिवारिक वातावरण में प्रसन्नता रहेगी.

सिंह- प्रियजन के संबंध मेंशुभ समाचार मिलेंगे. अनुभवी लोगों का साथ सफलता देगा. कोई शुभ कार्य बनेगा. पद प्रतिष्ठा एवं धन की प्राप्ति होगी.

कन्या- मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकते हैं, आपके कार्यो में निखार आयेगा. लिये गये निर्णय में सतर्कता बांछनीय है. योजनाओं में प्रगति होगी.

तुला- आपके रूखे व्यवहार से करीबी लोग नाराजहो सकते है. संतान के कार्यो में सफलता सुख और संतोष का अनुभव होगा. आशा से अधिक कार्यो में सफ्ल होंगे.

वृश्चिक- कामकाज की धीमी गति से अधिकारी व्यथित होंगे. नए संपर्को से कार्यों में नई दिशा आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. संतान के मामलों में व्यय होगा.

धनु- आर्थिक मामलों की अनदेखी से नुकसान हो सकता है. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहें. खानपान पर नियंत्रण रखें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

मकर- भौतिक सुख सुविधाओं पर बड़े खर्च की संभावना है. युवा अच्छी सफलता अर्जित करेंगे. पारिवारिक जीवन में जिम्मेदारियों का अनुभव होगा.

कुम्भ- शीघ्रता में अच्छी योजना शुरू होगी. कडी मेहनत करके बड़ी सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मन: स्थिति संतुलित रहेगी.

मीन- विपरीत विचारधारा के लोगों का साथ करने से नुकसान होगा. जीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. पारिवारिक निकटता बढ़ेगी. सम्मान में यथोचित वृद्धि होगी.

SUDOKU 7429

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7428

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7